सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, बुधवार, 19 मार्च, 2025
वर्षः 02, अंकः 82, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड करोड़ों रुपयो से बनी बारातशालाओं में कजा... » Pg02

सांसद राकेश राठौर को रेप केस में मिली जमानत » Pg12

सौरभ राजपूत की हत्या का 14 दिन बाद खुला राज

प्रेमी संग मिलकर किए पति के शव के 15 टुकड़े

सीमेंट घोलकर ड्रम में छुपाई लाश, कत्ल के बाद बॉयफ्रेंड संग घूमने चली गई कातिल मुस्कान

मेरठ का दिल दहला देने वाला मामला

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मेरठ। यूपी के मेरठ जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। इसके बाद लाश के टुकड़े किए। टुकड़ों को ड्रम में भरा और ऊपर से सीमेंट का घोल बनाकर उसमें भर दिया। ड्रम में घोल इतना पक्का हो गया कि उसे तोड़ना मुश्किल हो गया, जब ड्रम नहीं टूटा तो उसे मोर्चरी में ऐसे ही भेज दिया गया।

दरअसल, मेरठ के ब्रह्मपुरी थाना इलाके के इंदिरा नगर में रहने वाला सौरभ कुमार अपनी जिस पत्नी मुस्कान से बहुत प्यार करता था उसने ही उसके कत्ल की पटकथा लिख डाली। मुस्कान के लिए सौरभ अपने घरवालों से लड़ा और लव मैरिज की थी। अब उसी मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर सौरभ को खौफनाक तरीके से मौत दे दी। पहले उसके सीने में चाकू घोंपा, इसके बाद बाथरूम में लाश के टुकड़े किए। टुकड़ों को एक प्लास्टिक के ड्रम में भरा, फिर सीमेंट का घोल बनाकर ऊपर से ड्रम में भर दिया।

सौरभ और मुस्कान ने किया था प्रेम विवाह

सौरभ कुमार अनुसूचित जाति से था। सौरभ कुमार की नौ साल पहले शुरू हुई प्रेम कहानी का खौफनाक अंत हुआ है। नौ साल पहले 2016 में पड़ोसी में रहने वाली मुस्कान रस्तोगी से सौरभ का प्रेम प्रसंग शुरू हुआ। इसी वर्ष सौरभ की मर्चेंट नेवी में नौकरी लग गई और दोनों ने प्रेम विवाह कर लिया। सौरभ ने एक साल बाद नौकरी छोड़ दी और मेरठ में ही दिल्ली रोड स्थित एक प्लाईवुड की दुकान पर तीन साल नौकरी की। बाद में वह लंदन चला गया और मॉल में सेल्स मैनेजर की नौकरी करने लगा था।

दोनों की पांच साल की बेटी पीहू है। सौरभ पत्नी और बेटी के साथ इंदिरानगर में ओमपाल के मकान में तीन साल से किराये पर रह रहा था। पिता मुन्नालाल, भाई बबलू और मां रेनू ब्रह्मपुरी में ही अलग रह रहे हैं। बताया जाता है कि सौरभ का परिवार इस प्रेम विवाह से खुश नहीं था। इसलिए सौरभ अपनी पत्नी मुस्कान को लेकर अलग रहने लगा था। हत्यारोपी साहिल शुक्ला सीए है और पड़ोस में ही रहता है। सौरभ नौकरी के कारण कई महीनों बाद आता था। इसी वजह से साहिल शुक्ला और मुस्कान की नजदीकियां बढ़ गईं।

सौरभ ने देख ली थी पत्नी की चेटिंग

करीब दो साल पहले वर्ष 2023 में मुस्कान और साहिल की फोन पर चेटिंग सौरभ ने देख ली थी। जिसको लेकर दंपती में अक्सर विवाद रहने लगा। उधर, इसकी जानकारी लगने पर साहिल भी मुस्कान से शादी करने की जिद करने लगा। सौरभ ने पत्नी को तलाक नहीं दिया और लंदन में नौकरी करता रहा। इस बीच सौरभ कुमार (29) 24 फरवरी को अपने घर लौटा। दरअसल, 25 फरवरी को उसकी पत्नी मुस्कान (26) जन्मदिन था। इसी को मनाने के लिए वह वापस आया था, साथ ही 28 फरवरी को बेटी पीहू (5) का जन्मदिन था। दोनों को धूमधाम से मनाया गया।

मृतक सौरभ राजपूत

साहिल शुक्ला

पति की हत्यारिन मुस्कान रस्तोगी

नशे के बाद उतारा मौत के घाट

मुस्कान ने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर पति सौरभ की हत्या की योजना पहले ही बना ली थी। चाकू-छुरा और बड़ी पॉलिथीन भी पहले ही खरीद ली थी। हत्या के बाद नशा किया। बताया जा रहा है कि मुस्कान और साहिल नशा करते थे। हत्या वाले दिन भी दोनों ने नशा किया था। इसके बाद मुस्कान और साहिल उसके शव को घसीटकर बाथरूम में ले गए। जहां पर दोनों ने सौरभ के शव के छुरे से टुकड़े कर दिए। इस दौरान खून बाथरूम से नाली में बहता गया। शव के टुकड़ों को पॉलीथिन में भर लिया। अब शव के टुकड़ों को ठिकाने लगाने की सोची। पांच मार्च को साहिल बाजार से प्लास्टिक का बड़ा ड्रम, सीमेंट का कट्टा और डस्ट लेकर आया। इसके बाद शव के टुकड़ों को ड्रम में भर कर पानी डाला और डस्ट व सीमेंट उसमें भर दिया। चाकू और छुरा भी ड्रम में रख दिया।

हिमाचल में मनाया मौत का जश्न

चार मार्च को हत्या करने के बाद पांच मार्च को मुस्कान प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ शिमला घूमने चली गई। 17 मार्च को लौटने के बाद उसके परिजनों ने दामाद सौरभ के बारे में पूछा, तो मुस्कान ने सबकुछ बता दिया। इसके बाद मंगलवार को प्रमोद कुमार अपनी बेटी मुस्कान के साथ ब्रह्मपुरी थाने पहुंचे। पुलिस ने मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को गिरफ्तार कर सौरभ के शव को बरामद किया।

खाने में नशीली दवा खिलाकर किया सौरभ को बेहोश

चार मार्च की रात मुस्कान ने सौरभ को खाने में नशीली दवा मिलाकर बेहोश कर दिया। इसके बाद प्रेमी साहिल को घर पर बुला लिया। दोनों ने सौरभ के सीने में चाकू से ताबड़तोड़ वारकर हत्या कर दी। इसके बाद शव के लगभग 15 टुकड़े कर इन्हें प्लास्टिक के ड्रम में भर दिया। इसी ड्रम में ऊपर से सीमेंट और डस्ट का घोल बनाकर शव के टुकड़ों को छिपा दिया।

रास्ते से हटाने के लिए की सौरभ की हत्याः एसपी सिटी

एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि सौरभ अपनी पत्नी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल के संबंधों में बाधा बन गया था। उसे रास्ते से हटाने के लिए मुस्कान और साहिल ने वारदात को अंजाम दिया। दोनों ने मिलकर बेरहमी से सौरभ की हत्या कर दी।

मुस्कान को पता था कि सौरभ राजपूत के खाते में 6 लाख रुपये जमा हैं। दोनों ने इस रकम को निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुए। इसके बाद मुस्कान अपने मायके में पहुंची, जो मेरठ की उस ब्रह्मपुरी कॉलोनी में है, जहां के एक मोहल्ले वह सौरभ के साथ रहती थी। मुस्कान ने खर्च के लिए अपनी मां से पैसे मांगे तो उसने सौरभ के बारे में पूछा। कई बार पूछने के बाद भी मुस्कान बता नहीं पाई। अंत में दबाव डालने पर उसने कत्ल की बात कबूल की। यह जानकारी मिलने के बाद उसकी मां कविता और अन्य परिजन उसे लेकर तुरंत पुलिस थाने पहुंचे।

» जोन-2 में करीब 2 करोड रूपयों से निर्मित बारातशाला में पार्षद का कब्जा

» विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के पिता राम अवतार महाना के नाम से किया गया है बारातशाला का निर्माण

» इसी तरह से शहर की अधिकतर बारातशालाओं और सामुदायिक केंद्रों में कब्जे

» संपत्ति अनुभाग के अधिकारी व कर्मचारी बिचैलियों से मिलकर भर रहे अपनी जेब

करोड़ों रुपयों से बनीं बारातशालाओं में कब्जा, संपत्ति विभाग खामोश

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। एक ओर जहां नगर निगम अपना राजस्व बढाने के लिए अलग-अलग तरीके अपना बढा रहा है। वहीं, संपत्ति अनुभाग में अफसरों एवं बाबुओं की मदद से सरकारी राजस्व को तगडी चोट पहुंचाई जा रही है। शहर के अलग अलग हिस्सों में बनी बारातशालाएं, सामुदायिक केंद्र एवं ग्राउंड पर कब्जा करा दिया गया है। इनसे नगर निगम को राजस्व के नाम पर सिर्फ झुनझुना मिल रहा है और अफसर और बिचैलिए अपनी जेब भरकर मालामाल हुए जा रहे हैं।

ताजा प्रकरण जोन–2 का है। तिवारीपुर में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के पिता रामऔतार महाना के नाम पर से भव्य बारातशाला का निर्माण किया गया है। इसमें नगर निगम के द्वारा करीब दो करोड रूपए खर्च करके दो मंजिला इमारत, फ्रंट लॉन का निर्माण करवाया गया है। नगर निगम की विभागीय रिपोर्ट में कहा गया है कि इसमें क्षेत्रीय पार्षद का अवैध कब्जा है और उनके द्वारा ही संचालन किया जा रहा है। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि एक बार की बुकिंग के लिए 40 हजार रूपए से अधिक धनराशि की वसूली जा रही है लेकिन नगर निगम की कोई रसीद नहीं दी जाती है। नगर निगम से बारातशाला का संचालन भी किसी को नहीं दिया गया है, इसके बाद भी बुकिंग का पैसा कहां जा रहा है। इसका जवाब नगर निगम के अधिकारी दे सकते हैं। वहीं, इस संबंध में पार्षद कैलाश पांडेय से संपर्क किया गया तो उन्होने बताया कि महाना जी के प्रयासों के द्वारा बारातशाला का निर्माण किया गया है, यह जमीन श्रम विभाग की बताई गई है। अभी भी निर्माण कार्य चल रहा है, मेरे द्वारा कब्जे की बात गलत है, मै नगर निगम के अधिकारियों से बात करूंगा।वहीं, जोन–2 के जोनल अधिकारी और संपत्ति अनुभाग के प्रभारी अनिरूद्ध सिंह ने संपत्ति अनुभाग में बाहरी लोगों को हटा दिया गया है। वहीं, बताया कि तिवारीपुर की बारातशाला में कब्जे की जानकारी नहीं है।

Kanpur Nagar Nigam ... 10 Nov 21

जोन-2 वार्ड 58 के अन्तर्गत जे०के० कालोनी **जाजमऊ** में #राम_अवतार_महाना_सामुदायिक_केन्द्र का उद्घाटन में मुख्य अतिथि मा० मंत्री जी,#नगर_विकास के कर-कमलों से मा० मंत्री श्री सतीश महाना जी, मा० #महापौर श्रीमती प्रमिला पाण्डेय एवं #नगर_आयुक्त महोदय की विशिष्ट उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

Satish Mahana and 9 others

2 4 37

इन बारातशालाओं में भी कब्जा

जोन-2 के अंतर्गत तिवारीपुर में सामुदायिक केंद्र ग्राउंड फलोर तक निर्मित है। यहां पर छोटे परिवारिक कार्यक्रम होते हैं। इसमें सीडीएस अध्यक्ष आशा सिंह का कब्जा बताया गया है। घाउखेडा में सामुदायिक केंद्र ग्राउंड फलोर तक निर्मित है लेकिन भवन जर्जर हो चुका है। इसमें राजेश निषाद कब्जा किए हुए हैं। हरिजनबस्ती चकेरी गांव स्थित सामुदायिक केंद्र में आंगनबाडी संचालित हो रहा है। सहदुल्लापुर सामुदायिक केंद्र में आंगनबाडी चल रहा है। गंगागंज सामुदायिक केंद्र में प्राथमिक विद्यालय चल रहा है। शिवकटरा और बूढपुर मछरिया के सामुदायिक केंद्र में प्राथमिक विद्यालय चल रहा है। पशपतिनगर सामुदायिक केंद्र में भी अवैध कब्जा है। इसी तरह से अन्य जोन में भी कब्जे हैं।

सावधान: अशोक समेत कई ब्रांडेड सब्जी मसाले दूसरी जांच में भी फेल

» खाद्य विभाग की टीम ने मई 2024 में लिए थे मसाले के 33 नमूने

» गुरुग्राम की जांच में 33 में 23 निकले अनसेफ, 10 को मिली थी क्लीनचिट

» कोलकाता में जांच तो अनसेफ मिले 23 नमूनों में 18 हो गए सेफ

राहुल पाण्डेय / स्वराज इंडिया

कानपुर। व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई ने लिखा था कि 'मिलावटखोरों से कोई जीत सकता है, तो वह खुद मिलावटखोर', इस लाइन में भी कुछ मिलावट है! खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम ने 2024 में मसालों के कारखानों में छापा मारा, मसालों के 33 सैंपल लिए थे, लैब में की गई जांच में 23 नमूने अनसेफ पाए गए। यह मसाले खाए जाने के लायक नहीं, इनमें कीटनाशक, दुषित पदार्थ और हानिकारक संदूषक पाए गए। अब आया ट्विस्ट मसाला कंपनी ने उन्हीं कुछ नमूने की जांच करवाई तो सब पलट गया, अब 15 अनेसफ और 18 सेफ हो गए। वहीं अशोक, गोल्डी समेत कई ब्रांडेड मसाले दूसरी जांच में भी फेल हो गए।

इन मसालों में जो माइक्रोबायोलॉजिकल कीटनाशक (Microbiological Pesticides) मिले हैं उनसे शरीर के कई ऑर्गन डैमेज हो सकते हैं। यह स्वास्थ्य के लिए श्ह्लद्ध4द्यद्दट्टद्द श्०×द्धस्नद्द से अधिक हानिकारक हैं। मई 2024 में खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम ने विभिन्न मसालों के 33 सैंपल लिए थे, लैब में की गई जांच में 23 नमूने अनसेफ पाए

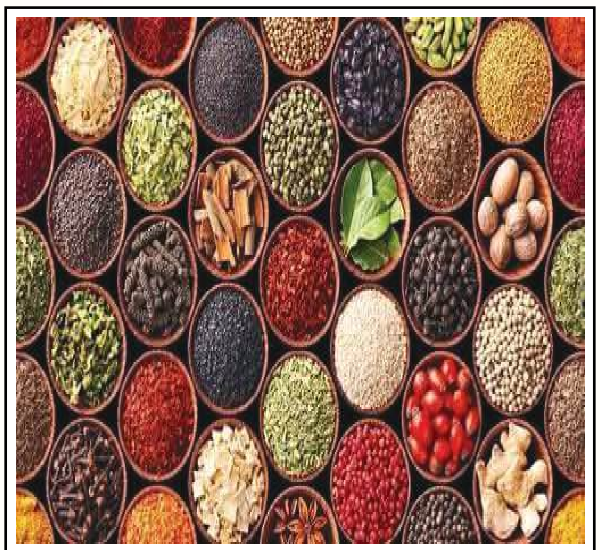

गए। यह मसाले खाए जाने के लायक नहीं है। इनमें कीटनाशक, दुषित पदार्थ और हानिकारक संदूषक पाए गए हैं।

कानपुर सहायक खाद्य आयुक्त संजय प्रताप सिंह (द्वितीय) ने बताया कि मसालों के 23 नमूने अनसेफ मिले थे। संबंधितों को इस संबंध में नोटिस भेजी गई। कुछ मसाला कंपनियों ने नमूनों की फिर से जांच कराए जाने की अपील की थी। जिसपर इन नमूनों को दूसरे लैब में भेजा गया। वहां से जांच रिपोर्ट आ गई है। कुछ नमूने जो फेल थे वह अब पास हो गए हैं, वहीं कुछ की रिपोर्ट यथावत ही है। अब आगे की कार्यवाही की जाएगी।

इसमें तीन साल की अधिकतम सजा और दस लाख का जुर्माना लगाए जाने का प्रावधान है। फिलहाल विभाग ने संबंधित फैक्ट्रियो के मसालों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है।

उन्होंने बताया कि मसालों में मिले कीटनाशक किसानों की गलती से नहीं है। जब मसाले लिए जाते हैं तो उनकी सफाई ठीक होनी चाहिए। सभी बडी फैक्ट्रियों में माइक्रोबायोलॉजिकल डिपार्टमेंट होता है वहां इन्हें चैक कराया जाना चाहिए।

एक और दो मई 2024 को 33 नमूने लिए

स्ष्ठ॥ और एवरेस्ट मसालों के हानिकारक होने की सूचना के बाद खाद्य एवं औषधि विभाग ने मसाला फैक्ट्रियों पर ताबडतोड छापेमार कार्रवाई की। एक और दो मई 2024 को विभिन्न कारखानों से 33 नमूने लिए गए। इनको जांच के लिए लैब भेजा गया। 33 नमूनों की रिपोर्ट विभाग के पास आई, इनमें 23 नमूने अनसेफ यानि उपयोग योग्य नहीं पाए गए, फेल हुए नमूनों में माइक्रोबायोलॉजिकल कीटनाशक मिले। यह जो नमूने खाद्य विभाग ने लिए थे, इसे जांच के लिए गुडगांव लैब भेजा गया, जहां से जांच रिपोर्ट आई। इसमें अनसेफ मिले मसालों पर मसाला कंपनियों ने फिर से इसकी जांच करवाने का फैसला लिया। अब यह नमूने कोलकत्ता लैब जांच को भेजी गई। यहां जांच में गुडगांव लैब की कुछ रिपोर्ट गलत साबित हुईं। बता दें कि खाद्य विभाग की जांच रिपोर्ट से संतुष्ट न होने पर संबंधित भी नमूने की जांच करा सकता है, इसके लिए लैब की फीस 15 से 20 हजार रूपए तक देनी होती है

विदेश भी जाते है यहां के मसाले

अशोक, GOLDIEE MASALA,भोला समेत कई फैक्ट्रियों के मसालों की सप्लाई विदेशों में भी होती है। भारत के कई प्रदेशों में इन मसालों की खासी डिमांड और बडे पैमाने पर इसको बेचा जाता है।

अनसेफ मसालों की जांच में क्या मिला

कीटनाशक वे रसायन होते हैं जिनका उपयोग कीड़ों को मारने के लिए किया जाता है।

क्लोरपाइरीफोस मिला, यह एक ऑर्गनोफॉस्फेट कीटनाशक है जिसका उपयोग फसलों, जानवरों और इमारतों और अन्य सेटिंग्स में, कीड़ों और कीड़ों सहित कई कीटों को मारने के लिए किया जाता है।

एंटरोबैक्टीरियासी रोगजनक बैक्टीरिया

(बीमारी पैदा करने वाले एजेंट)

एथियोन मिला, एक ऑर्गनोफॉस्फेट कीटनाशक है

एंटरोबैक्टीरियासी रोगजनक बैक्टीरिया

(बीमारी पैदा करने वाले एजेंट)

कैंसर, न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर और एलर्जी हो सकती है

कीटनाशक तत्व मिलना काफी चिंता का विषय

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलाजी विभागाध्यक्ष डॉक्टर सुरैया खानम अंसारी ने बताया कि मसालों में कीटनाशक तत्व मिलना काफी चिंता का विषय है। लगातार ऐसे मसालों के प्रयोग से शरीर के कई अंग खराब हो सकते हैं। यह कीटनाशक किडनी, लीवर, आंतों समेत कई प्रमुख अंगों को खराब कर सकता है। वहीं लंबे समय तक इस्तेमाल से कैंसर, न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर और एलर्जी भी होती है।

पहले फेल.....

मेसर्स भोला फूड प्रोडेक्ट रूमा इंडस्ट्रीयल एरिया
सब्जी मसाला — अनसेफ
मेसर्स भोला फूड प्रोडेक्ट रूमा इंडस्ट्रीयल एरिया
मीट मसाला — अनसेफ
मेसर्स भोला फूड प्राडेक्ट प्राइवेट लिमिटेड रूमा इंडस्ट्रीयल एरिया
बिरयानी मसाला — अनसेफ
मेसर्स अशोक गृह उद्योग केंद्र प्राइवेट लिमिटेड दादानगर
मटर पनीर मसाला — अनसेफ
मेसर्स शुभम गोल्डी मसाले प्राइवेट लिमिटेड दादानगर इंडस्ट्रीयल एरिया
गरम मसाला — अनसेफ
मेसर्स श्री साहिब जी गृह उद्योग पनकी
गरम मसाला — अनसेफ
मेसर्स विनीस मसाला चमनगंज
चिकन मटन कोरमा मसाला अनसेफ
मेसर्स पदमा प्राडेक्ट टीपी नगर
गरम मसाला — अनसेफ

अब हो गए पास

मेसर्स भोला फूड प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड
रूमा इंडस्ट्रियल एरिया
सब्जी मसाला — पास
मेसर्स भोला फूड प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड
रूमा इंडस्ट्रियल एरिया
मीट मसाला — पास
मेसर्स भोला फूड प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड
रूमा इंडस्ट्रियल एरिया
बिरयानी मसाला — पास
मेसर्स शुभम गोल्डी मसाले प्राइवेट लिमिटेड
दादानगर इंडस्ट्रियल एरिया
गरम मसाला — पास
मेसर्स अशोक गृह उद्योग केंद्र प्राइवेट लिमिटेड
दादानगर
मटर पनीर मसाला — पास
मेसर्स श्री साहिबजी गृह उद्योग पनकी
गरम मसाला — पास
मेसर्स वीनिस मसाला चिकन मटन कोरमा
मसाला — पास
मेसर्स पदमा प्रोडेक्ट टीपी नगर
गरम मसाला — पास

इन कंपनियों के नमून फेल

मेसर्स शुभम गोल्डी मसाले प्राइवेट लिमिटेड दादानगर इंडस्ट्रीयल एरिया
सांभर मसाला गोल्डी ब्रांड अनसेफ
मेसर्स शुभम गोल्डी मसाले प्राइवेट लिमिटेड दादानगर इंडस्ट्रीयल एरिया
चाट मसाला गोल्डी ब्रांड — अनसेफ
मेसर्स अशोक मार्केटिंग कंपनी भवानीपुर मंथना
गरम मसाला — अनसेफ
मेसर्स अशोक मार्केटिंग कंपनी भवानीपुर मंथना
धनिया पाउडर — अनसेफ
मेसर्स अशोक गृह उद्योग केंद्र प्राइवेट लिमिटेड दादानगर
गरम मसाला — अनसेफ
मेसर्स गोविंद गृह उद्योग पनकी
गरम मसाला — अनसेफ
मेसर्स मंगलम इंटरप्राइजेज चकेरी — मिर्चा पाउडर — अनसेफ
मोहम्मद ओसामा बेकनगंज — भुना जीरा पाउडर — अनसेफ
मेसर्स अरावली मसाले प्राइवेट लिमिटेड चौबेपुर हल्दी पाउडर अनसेफ
मेसर्स हर्ष ट्रेडिंग पनकी — सब्जी मसाला — अनसेफ
पदमा प्रोडक्ट फैक्ट्री टीपी नगर सब्जी मसाले — अनसेफ
रौनियार इंटरप्राइजेज यशोदा नगर सब्जी मसाले — अनसेफ
रौनियार इंटरप्राइजेज यशोदा नगर गरम मसाला — अनसेफ
मेसर्स स्पाइस फूड एलएलपी मंथना — मिर्चा पाउडर — अनसेफ
मेसर्स गौरव इंटरप्राइजेज बिनगवां — हल्दी पाउडर — अनसेफ

भ्रष्ट कानून व्यवस्था को मुंह तोड़ जवाब दे रहा APCR

हत्या को आत्महत्या बनाने पर मैदान में उतरी APCR की टीम

शिवांक अग्निहोत्री / स्वराज इंडिया

कानपुर। सन् 1950 में जब आज़ाद भारत का संविधान लागू हुआ तो उसमें महिला आयोग और मानवाधिकार आयोग जैसी व्यवस्थाएं भी आम जनमानस के लिए तैयार की गयीं। शुरुआत के 50 वर्षों तक इन दोनों आयोगों की कार्यशैली भी जनता के हक में नज़र आती रही पर बीते 20 वर्षों से यह दोनों आयोग केवल कागजों में नज़र आ रहे हैं धरातल पर इनकी कोई भी भूमिका नहीं दिखाई दे रही है। मौजूदा वक्त में तो इन आयोगों का राजनीतिकरण भी होने लगा है। कभी भी इन आयोगों के श्रेष्ठ पदाधिकारी सत्ताधारी पार्टी का दामन थाम लेते हैं तो कभी भी कोई सत्ताधारी पार्टी का पदाधिकारी इन आयोगों के मुख्य पदों में शामिल हो जाता है। जब ऐसे हालातों में हमारे देश की न्याय व्यवस्था भ्रष्ट नेताओं और अधिकारियों के हाथों की कठपुतली की तरह कार्य करने लगी तो देश के अंदर सन् 2006 में जन्म हुआ। APCR (एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स) का जिसने खोखली हो रही न्याय व्यवस्था की जड़ों को मजबूत करना शुरू किया अब आते हैं इस संगठन की हाल ही में नज़र आई एक कार्यशैली पर।

खास खबर

बीते दो माह पूर्व 4 जनवरी 2025 को घाटमपुर थाना क्षेत्र के इटर्रा गांव में एक 14 वर्षीय बच्ची संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटकती हुई पाई जाती है। बच्ची का परिवार चीख चीखकर अपनी बच्ची की हत्या हो जाने की आवाज़ उठाता रहा परंतु गंभीर जांच की मेहनत के नाम पर लापरवाह पुलिस ने स्थितियों के आधार पर घटना को बड़ी आसानी से आत्महत्या का नाम दे दिया और त्वरित स्थिति में घाटमपुर थाने में कोई मुकदमा भी नहीं लिखा गया। जब परिजनों ने पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने गुहार लगाई तो 30 जनवरी 2025 को आत्महत्या के लिए बच्ची को प्रेरित किया गया।

जैसी धाराओं का एक मुकदमा तो लिखा गया उसमें भी पोक्सो को हटा दिया गया जबकि पीड़ित परिवार का यह कहना था कि आरोपी मोहित कई दिनों से बच्ची को परेशान कर रहा था जिसको लेकर पीड़ित परिवार शिकायत करने जब मोहित के घर गया था तो उसके परिवार वालों ने पीड़ित परिवार के साथ भी अभद्रता करी थी।

जॉइंट सेक्रेटरी आभा शुक्ला जगा रहीं उम्मीद

मृतक बच्ची के परिजनों ने थक हार कर निराशा की स्थिति में APCR की जॉइंट सेक्रेटरी आभा शुक्ला से संपर्क किया जिसके बाद उनकी टीम के द्वारा इस पूरे प्रकरण में भ्रष्ट पुलिस विभाग को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए अपनी तीव्र कार्य शैली का परिचय दिया गया जिस टीम में मुख्य भूमिका अदा की गई देवी प्रसाद, अधिवक्ता याकूब कुरैशी, ज्वाइंट सेक्रेटरी आभा शुक्ला तथा हबीब के द्वारा जिनके द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर बारीकी से प्रकरण को समझा गया। तत्पश्चात अधिवक्ता याकूब कुरैशी के द्वारा घटनास्थल से प्राप्त तथ्यों के आधार पर माननीय न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष विवेचना परिवेक्षण हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया जिसका संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने प्रकरण से जुड़े जांच अधिकारी को केस डायरी समेत तलब किया और कड़ी फटकार लगाई। परिणाम स्वरूप माननीय न्यायालय ने यह आदेश किया कि 18 मार्च 2025 तक समुचित कार्यवाही कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। 18 मार्च 2025 को APCR की पूरी टीम न्यायालय में उपस्थिति रही और जिस पुलिस ने बड़ी आसानी से हत्या को आत्महत्या करार दे दिया था उसने यह माना कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि सुनियोजित तरीके से की गई हत्या है और अभियुक्त मोहित को गिरफ्तार करके न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

इससे पहले भी बेरहमी से पीटकर एक युवक की हत्या करके उसे रेलवे लाइन के पास आरोपियों ने फेंका था जिसमें घाटमपुर पुलिस ने घटना को आत्महत्या करार दे दिया था APCR के समक्ष में पीड़ित पहुंचें तो आरोपी जेल भेजा गया था। राजधानी दिल्ली से शुरू हुआ यह संगठन धीरे-धीरे पीड़ितों को न्याय दिलाने के नाम पर देश के कोने-कोने में नए-नए आयाम लिखता चला जा रहा है।

गंगा मेला-ठेला जुलूस पर कल बदलेगा यातायात

» डायवर्जन लागू, यहां से यहां तक नहीं जा सकेंगे वाहन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। गुरुवार को गंगा मेला और हटिया मेला जुलूस के चलते 20 मार्च को प्रात 8 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक यातायात डायवर्ट किया गया है। कोई भी वाहन फूलबाग, चार्लिस चौराहा होते हुए मेघदूत चौराहा से सरसैया घाट होते हुए ग्रीनपार्क नहीं जा सकेगा। ऐसे वाहन मेघदूत चौराहा से बड़ा चौराहा से कारसेट से दाहिने एमजी कालेज से होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे।कोई भी वाहन ग्रीनपार्क चौराहा से वीआईपी रोड होते हुए सरसैया घाट मेघदूत चौराहा की ओर नहीं जा सकेंगे। ऐसे सभी वाहन ग्रीनपार्क चौराहा से एमजी

कालेज से बाएं मधुबन तिराहा पुलिस ऑफिस कचहरी होते हुए चेतना से व्यायामशाला की ओर जाएंगे।कोई भी वाहन गुप्तारघाट से सरसैया घाट की तरफ नहीं जा सकेंगे। ऐसे वाहन गुप्तार घाट से बायें मुड़कर मेघदूत चौराहा से बड़ा चौराहा होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे।

यहां वीआईपी वाहन पार्क करें

जिला निर्वाचन कार्यालय ग्राउंड के अंदर

वीआईपी पार्किंग महिला थाना से जेल तक सड़क के दोनों ओर

मीडिया पार्किंग पीडब्लूडी अधिशासी अभियंता कार्यालय के सामने सरसैया घाट।

सामान्य पार्किंग

चेतना चौराहा पर जेएनके इंटर कॉलेज ग्राउंड के अंदर पार्किंग।

ग्रीनपार्क स्टेडियम के तीन ओर सड़क पर वीआईपी रोड को छोड़कर।

फूलबाग अंडर ग्राउंड पार्किंग।

क्राइस्ट चर्च कॉलेज ग्राउंड (निकट पनचक्की) पार्किंग।

सम्पादकीय

कई राज्यों में लू चलने की चेतावनी

कभी जिस मार्च के महीने को ठंड-गर्म के मिलेजुले सुहावने मौसम के रूप में याद किया जाता रहा है, उस दौरान यदि कई राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की जा रही है तो यह हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। निर्विवाद रूप से यह दीवार पर लिखी इबारत है कि ग्लोबल वार्मिंग का गहरा असर हमारे जन-जीवन पर गहरे तक पड़ रहा है। मौसम के मिजाज में अभूतपूर्व बदलाव देखिए कि जहां हाल ही में कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी व कुछ राज्यों में बारिश हुई है, वहीं मौसम विभाग ने देश के पांच राज्यों में गर्म हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है। एक ओर जहां झारखंड व ओडिशा में रेड अलर्ट जारी किया गया है तो पश्चिम बंगाल, ओडिशा और महाराष्ट्र में विदर्भ के इलाकों में गर्म हवा चलने की चेतावनी दी गई है। बीते रविवार को ओडिशा के एक शहर का तापमान 43.6 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं झारखंड में कुछ जगह पारा चालीस पार कर गया। पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में लू चलने की खबरें हैं। मौसम विज्ञानी हैरत में हैं कि जैसी गर्मी पिछले साल अप्रैल के महीने में महसूस की गई थी, वैसी गर्मी मार्च के मध्य में क्यों महसूस की जा रही है। मौसम विभाग इसकी वजह देश के ऊपर बना उच्च दबाव मानता है। वहीं साफ मौसम की वजह से सूरज की सीधी किरणें तेज पड़ रही हैं। चेतावनी दी जा रही है कि आगामी कुछ दिनों में देश के अधिकांश हिस्से तेज गर्मी की चपेट में आ सकते हैं। ऐसे में हमारी सरकारों को ग्लोबल वार्मिंग के घातक प्रभावों के मद्देनजर बचाव के उपायों को तेज करने की जरूरत है। साथ ही नागरिकों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि लोगों का रहन-सहन, खान-पान और सार्वजनिक स्थलों पर व्यवहार कैसे रहें, ताकि लू की मार से बचा जा सके। गर्मी के दुष्प्रभाव पीड़ित लोगों के उपचार के लिये अस्पतालों में आपातकालीन वार्ड बनाए जाने की जरूरत है।यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मौसम के तेवरों में तल्खी के चलते हमारी खाद्य श्रृंखला भी खतरे में पड़ती दिखाई दे रही है। इन तीव्र बदलावों के चलते जहां खाद्यान्नों की पैदावार में गिरावट आ रही है, वहीं किसान बाढ़ व सूखे से भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। भारत में ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों पर शोध करने वाली एक संस्था का कहना है कि क्षेत्रीय आधार पर चरम मौसम की मार अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग प्रभाव डाल रही है। अब तक देश के जो इलाके बाढ़ के प्रभाव के लिये जाने जाते थे, वहां अब सूखे का असर दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर सूखाग्रस्त माने जाने वाले इलाकों में बाढ़ का प्रकोप बढ़ रहा है। ऐसे जिलों की संख्या सैकड़ों में बतायी जा रही है, जिसका सीधा असर फसल की पैदावार पर पड़ रहा है। यह तथ्य सर्वविदित है कि ग्लोबल वार्मिंग का असर विश्वव्यापी है, लेकिन भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश के लिए यह प्रभाव कालांतर में खाद्य संकट पैदा करने वाला साबित हो सकता है। वहीं दूसरी ओर समुद्री जल का तापमान बढ़ने से जो जल स्तर बढ़ रहा है, उसके चलते देश के कई द्वीपों व समुद्रतटीय इलाकों में जीवन पर संकट मंडराने लगा है। यहां तक कि उत्तराखंड में शीतकालीन खेलों की पहचान रखने वाले औली में कम बर्फ पड़ने के कारण इस बार भी शीतकालीन खेलों को स्थगित करना पड़ा है। वातावरण में बढ़ते तापमान के कारण यहां बर्फ समय से पहले ही पिघल गई। बीते साल देश के विभिन्न राज्यों में लू चलने की संख्या पिछले डेढ़ दशक में सबसे ज्यादा थी। आशंका जतायी जा रही है कि इस बार गर्मी नये रिकॉर्ड बना सकती है,

इतिहास के स्याह पक्ष से सबक लेने का वक्त

विश्वनाथ सचदेव

किसी क्रूर शासक की मजार का होना न होना कोई मायने नहीं रखता, मायने यह बात रखती है कि हम अपने आने वाले कल को बेहतर बनाने के प्रति कितने जागरूक हैं। इस जागरूकता का तकाज़ा है कि हम अपने देश को अलगाव की आग से बचाएं। हमें धार्मिक सौहार्द की हवा के ठंडे झोंकों की जरूरत है।

महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के युवा किसान कैलाश नागरे को पांच साल पहले युवा किसान पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें यह सम्मान कृषि-कार्य में उल्लेखनीय सफलता पाने और किसानों में जागरूकता लाने के लिए किये गये प्रयासों के कारण मिला था। पांच दिन पहले कैलाश नागरे ने आत्महत्या कर ली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आत्महत्या का कारण यह था कि कैलाश भरसक प्रयास के बावजूद सरकार को उनके इलाके के खेतों में किसानों तक पानी पहुंचाने की मांग नहीं मनवा सके थे।

इसलिए हताशा में कैलाश ने यह आत्मघाती कदम उठाया है। वैसे भी किसानों की आत्महत्याओं का सिलसिला महाराष्ट्र में थमने का नाम नहीं ले रहा। पिछले पांच महीनों में देश के इस उन्नत समझे जाने वाले राज्य में एक हज़ार से अधिक किसान आत्महत्या कर चुके हैं।विकास के दावों के बावजूद महाराष्ट्र सरकार पर ऋण का बोझ लगातार बढ़ रहा है। सन? 2014 में यह राशि 2.94 लाख करोड़ रुपये थी- 2024 में यह राशि बढ़कर 7.82 लाख करोड़ रुपये है।यह कुछ आंकड़े हैं जो चौंकाते भी हैं और परेशान भी करते हैं। परेशान इसलिए भी कि इन विषयों पर राज्य में चर्चा भी नहीं हो रही। इस बारे में न सरकार कुछ बोल रही है और न ही विपक्ष कुछ करता दिखाई दे रहा है। यह सब भुलाकर राजनीति के गलियारों में आज चर्चा एक ऐसे बादशाह की कब्र को लेकर हो रही है, जिसे मरे हुए सात सौ साल से अधिक हो चुके हैं। चर्चा ही नहीं हो रही आंदोलन शुरू हो गया है सारे राज्य में। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल जैसे संगठनों ने तो घोषणा कर दी है कि यदि महीने भर के भीतर सरकार इस कब्र को नष्ट नहीं कर देती तो उनके लाखों कार्यकर्ता 'कार सेवा करके' यह काम करेंगे। जहां तक सरकार का सवाल है राज्य के भाजपाई मुख्यमंत्री इसे एक 'दुर्भाग्य' बता रहे हैं कि उन्हें औरंगजेब जैसे बादशाह की कब्र की रक्षा का दायित्व निभाना पड़ रहा है। फिर भी उन्होंने घोषणा की है कि वे औरंगजेब का महिमामंडन नहीं होने देंगे।जी हां, विवादों के केंद्र में जो कब्र है वह मुगल बादशाह औरंगजेब की है। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में 717 साल पहले औरंगजेब की मृत्यु हुई थी, और वहीं उसे दफना दिया गया था। औरंगजेब की इच्छा के अनुसार इस सादी-सी कब्र के ऊपर छत भी नहीं बनायी गयी थी। पहले छत्रपति शिवाजी महाराज और फिर उनके बाद मराठा शासकों को हराने में औरंगजेब को पूरी सफलता कभी नहीं मिल पायी। वह मराठा शासन को समाप्त करना चाहता था, पर उसी मराठा-भूमि में उसे अपने प्राण त्यागने पड़े! यह सब हमारे इतिहास का हिस्सा है। औरंगजेब की क्रूरता से सब परिचित हैं। यह भी सही है कि उसने जनता पर कई तरह से अत्याचार किये। यह भी जग जाहिर है कि उसने अनेक हिंदू मंदिरों को तोड़ा। यहां अनेक का मतलब सैकड़ों से लेकर हज़ारों तक बताया जाता है। उसकी क्रूरता का आलम यह था कि गद्दी हथियाने के लिए उसने अपने भाई को मरवा डाला, अपने पिता शाहजहां को आगरा के किले में बंदी बनाकर रखा, उसे पीने के लिए पानी भी नाप के दिया जाता था। औरंगजेब की क्रूरता हमारे इतिहास का हिस्सा है। इसी तरह यह भी एक हकीकत है कि इस क्रूर शासक ने लगभग पचास साल तक राज किया था। इस दौरान उसने मंदिर तुड़वाये भी और मंदिर बनवाये भी। औरंगजेब ने वह सब किया जो कोई क्रूर शासक करता है। शिवाजी महाराज का तो वह कुछ बिगाड़ नहीं सका, पर उनके बाद छत्रपति संभाजी महाराज के साथ उसने जो क्रूरता बरती वह अपने आप में किसी पराकाष्ठा से कम नहीं थी।

छत्रपति संभाजी महाराज की गाथा इन दिनों सुनी-सुनायी जा रही है। उनके जीवन-चरित्र को लेकर बनी चर्चित फिल्म 'छावा' ने औरंगजेब के अत्याचारों को फिर से चर्चा का विषय बना दिया है।

बलूचिस्तानी की आज़ादी के लिए तेज हुआ संघर्ष

हमलों से बौखलाया पाक

डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव

दशकों के शोषण और दमन के खिलाफ बलूचिस्तान के लड़ाकों ने हाल के दिनों में कई बड़े हमले करके पाकिस्तान को बैकफुट पर ला दिया है।?हाल ही में एक ट्रेन का अपहरण व सुरक्षा बलों पर हमले की घटनाओं से बलूच लड़ाकों के हौसलों का पता चलता है।पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में इन दिनों बलूच लिबरेशन आर्मी, बलूच लिबरेशन फ्रंट और बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स ने मिलकर पाकिस्तान और वहां तैनात चीनी सेना के जवानों की नाक में दम कर रखा है। इन संगठनों ने मिलकर 'बलूच नेशनल फ्रीडम मूवमेंट' चला रखा है।

मकसद बलूचिस्तान की आज़ादी की लड़ाई एक साथ मिलकर लड़नी है। इन संगठनों ने निर्णय लिया है कि पाकिस्तान के साथ-साथ चीन से अपने संसाधनों के शोषण को रोकना है और अपने अभियानों को और तेज़ करना होगा।

गत 11 मार्च को बलूचिस्तान के कच्छी जिले के आब-ए-गम इलाके के पास सुरंग में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पर कुछ बंदूकधारियों ने हमला करके उसे अपने कब्जे में ले लिया। इस हमले की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली और दावा किया कि उनकी गोलीबारी में 30 लोग मारे गए तथा 214 यात्रियों को बंधक बना लिया है। यह ट्रेन क्वेटा से पेशावर जा रही थी, जिसमें तकरीबन 500 यात्री सवार थे। इस रेल मार्ग पर 17 सुरंगे हैं और रास्ता कठिन होने के कारण रेल की गति धीमी रहती है। इस घटना के बारे में बलूचिस्तान की सरकार ने बताया कि 80 यात्रियों को बचा लिया गया। इसके अलावा सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 13 हमलावर मारे गए।

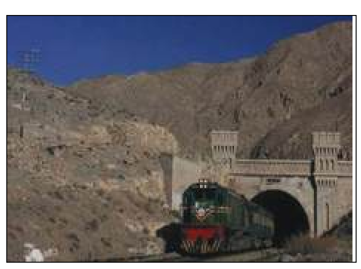

पाकिस्तान इस घटना के बाद से दूसरे देशों पर आरोप मढ़ने में जुटा हुआ है। गत 13 मार्च को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने अपनी साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि भारत अलगाववादियों की मदद कर रहा है। जाफर एक्सप्रेस पर हमले के समय आतंकवादी अपने हैंडलर्स और अफगानिस्तान में रिंग लीडर्स के संपर्क में थे। इन आरोपों को भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सख्ती से खारिज करते हुए कहा कि पाकिस्तान द्वारा लगाए गए ये निराधार आरोप हैं। पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहां है। पाकिस्तान को दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय अपना आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान सरकार और सेना इस घटनाक्रम में बलूच विद्रोहियों से निपटने में असफल दिखी है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने दावा किया कि उन्होंने जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक करने वाले 33 बीएलए विद्रोहियों को खत्म कर दिया है लेकिन सफल ऑपरेशन की कोई तस्वीर तक जारी नहीं की।जाफर एक्सप्रेस की घटना से पाकिस्तानी सेना अभी उबर भी नहीं पाई थी कि बलूच लिबरेशन आर्मी के विद्रोहियों ने 16 मार्च को बलूचिस्तान प्रांत के नोशकी जिले में पाकिस्तानी सेना के काफिले पर अचानक हमला करके बड़ी संख्या में सैनिकों को मार डाला। यह काफिला क्वेटा से कफ्तान जा रहा था। बीएलए के दावे के मुताबिक, 90 सैनिकों को मार डाला गया। बीएलए ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए वीडियो भी जारी किया है। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तानी पुलिस ने हमले में तीन सैनिकों और दो नागरिकों के मारे जाने तथा 30 जवानों के घायल होने की पुष्टि की है। बीएलए द्वारा जारी बयान में कहा गया कि उसके आत्मघाती दस्ते मजीद ब्रिगेड ने नोशकी में रक्षक मिल के पास पाकिस्तानी सेना के काफिले को निशाना बनाया। इस काफिले में आठ बसें थीं, जिनमें से एक बस पूरी तरह ध्वस्त हो गई। दूसरी बस को फतेह ब्रिगेड ने घेर लिया और उसके सभी जवानों को मार डाला।दरअसल, बलूच अपनी आज़ादी के लिए अभियान चला रहे हैं। सन 1947 से पहले ही बलूचिस्तान में भी आज़ादी की मांग तेज हो गई थी। 4 अगस्त, 1947 को दिल्ली में हुई मीटिंग में माउंटबैटन के साथ कलात के वकील के रूप में मोहम्मद अली जिन्ना थे, जिन्होंने कलात, खरान, लास बेला और मकरान को मिलाकर बलूचिस्तान बनाने का सुझाव दिया था।

जीमेल बेहाल, मिनटों में करें सफाई कमाल!

जीमेल फुल, मिनटों में करें साफ!

हम सभी को रोजाना ऐसे कई ईमेल आते हैं, जिनमें हमारे किसी काम के नहीं होते, जिनमें प्रमोशनल ईमेल, न्यूजलेटर समेत कई अन्य तरह के मेल शामिल होते हैं। ऐसे में जीमेल का इनबॉक्स फालतू ईमेल से भरा हुआ है और स्टोरेज फुल का मैसेज नजर आ रहा है। गूगल हर जीमेल बिल्डर को 15तक्रफ्री स्टोर देता है, लेकिन फालतू ईमेल के कारण ये जल्दी भर जाता है।

जीमेल इनबॉक्स फिर से भर गया है? तो सुझाव मत दीजिए, क्योंकि यहां हम आपको दो ऐसी ट्रिक बता रहे हैं। जिस मिनट में आपको इनबॉक्स काफी हद तक खाली हो जाएगा। दरअसल, हम सभी को रोजाना ऐसे कई ईमेल आते हैं, जिनमें हमारे किसी काम के नहीं होते, जिनमें प्रमोशनल ईमेल, न्यूजलेटर समेत कई अन्य तरह के मेल शामिल होते हैं। ऐसे में जीमेल का इनबॉक्स फालतू ईमेल से भरा हुआ है और स्टोरेज फुल का मैसेज नजर आ रहा है। गूगल हर जीमेल बिल्डर को 15 स्टोर देता है

लेकिन फालतू ईमेल के कारण ये जल्दी भर जाता है। हालाँकि,अधिकांश स्टोरेज सामानों के लिए प्लांस भी पेश करता है, लेकिन स्टोरेज स्टॉक के बाद भी समस्या बनी रहती है क्योंकि वो भी फालतू ईमेल से भर सकता है। इसलिए इस समस्या को ठीक करने के लिए आपको समय-समय पर अपना इनबॉक्स साफ करना होगा। अगर आप एक-एक ईमेल डिलीट करेंगे, तो इस काम में घंटा लग सकता है। इसलिए यहां हम आपको ऐसी ट्रिक बता रहे हैं, जिससे आप फालतू ईमेल को एक साथ बल्क में डिलीट कर सकते हैं और अपने जीमेल की स्टोरेज को मिनटों में खाली कर सकते हैं।

पहली ट्रिक- टैग वाले सभी ईमेल को अनसब्सक्राइब करें और डिलीट करें अपने जीमेल से सभी मार्केटिंग ईमेल डिलीट करने के लिए इन स्टेप्स को फॉलो करें। वेब ब्राउजर में जीमेल अकाउंट और इनबॉक्स पर क्लिक करें सर्च बार में, अनसब्सक्राइब टाइप करें और प्रवेश करें। ये आपके लिए सभी मार्केटिंग ईमेल टेम्पलेट हैं जिनमें अनसब्सक्राइब प्लेसमेंट शामिल है। विशेष रूप से एजेंसियों को कानूनी रूप से अनसब्साइब पद प्रदान करना आवश्यक है।

सभी ईमेल को एक साथ डिलीट करने के लिए, ईमेल कीस्ट को ठीक करें और रिफ्रेश बटन के बाई ओर ऊपर-बाएँ कोने में छोटे चेकबॉक्स पर क्लिक करें। इस पहले पेज पर सभी ईमेल का चयन दिखाई देगा।

आप सभी को सिलेक्ट करने के लिए क्लिक भी कर सकते हैं। एक बार सभी ईमेल का चयन करने के बाद, स्क्रीन के शीर्ष पर ट्रैश कैन आइकन पर क्लिक करें। ये सभी सिलेक्टेड ईमेल कोटराश मॉड्यूलर में ले जाएंगे। वहीं दूसरी ट्रिक से किसी भी स्पेसिफिक सेंडर या टाइम आर्किटेक्टर का ईमेल डिलीट करें यदि कोई अंतरिक्ष प्रेषक भेजा गया हो या किसी निश्चित समय सीमा में ईमेल आया हो तो भी डिलिट कर सकता है। ऐसा करने के लिए आपको जीमेल के बार में एक सर्च सर्च टाइप करना होगा।

किसी भी स्पेसिफ़िक प्रेषक का ईमेल भेजने वाले एड्रेस से हटाने के लिए

किसी भी अंतरिक्ष प्रेषक के ईमेल एड्रेस द्वारा भेजे गए ईमेल को पर हटाने के लिए

2022-10-01 के बाद किसी स्पेसिफिक समय अवधि के ईमेल को डिलीट करें आप इन प्रोडक्ट्स को कंबाइन भी कर सकते हैं, अपने सर्च प्रोडक्ट से मेल खाने वाले सभी ईमेल को सिलेक्ट करने के लिए टॉप-लेफ्ट कॉर्नर में चेकबॉक्स पर क्लिक करें। ईमेल को डिलीट करने के लिए सिलेक्ट किए गए ईमेल को डिलीट करने के लिए ट्रैश कैन आइकन पर क्लिक करें।

अदरक से पाएँ त्वचा निखरी, मगर जानें ये बातें जरूरी!

जब आप अदरक को अपनी स्किन पर इस्तेमाल कर रही हैं तो यह बेहद जरूरी है कि आप पहले पैच टेस्ट जरूर करें। यह थोड़ा तीखा हो सकता है, इसलिए अगर आप इसे सीधे अपनी स्किन पर लगाती हैं तो इससे आपको रेडनेस, खुजली या जलन की शिकायत हो सकती है।

अदरक को हम सभी अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाते हैं। लेकिन इसे सिर्फ हेल्थ के लिए ही अच्छा नहीं माना जाता है, बल्कि यह स्किन के लिए भी उतना ही फायदेमंद है। अदरक में एंटी-ऑक्सीडेंट व एंटी-बैक्टीरियल प्रोपर्टीज होती हैं।

साथ ही साथ, यह आपकी स्किन को नेचुरली ग्लोइंग इफेक्ट भी देता है। जब आप अदरक को अपने चेहरे पर इस्तेमाल करती हैं तो इससे आपकी स्किन को अधिक क्लीन व क्लीयर लुक मिलता है। साथ ही साथ, यह उम्र बढ़ने के संकेतों को भी धीमा करता है। हालांकि, जब आप अपने चेहरे पर अदरक का इस्तेमाल करते हैं तो इस दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। अन्यथा इससे आपको जलन, रेडनेस या स्किन में रूखेपन की शिकायत हो सकती है।

तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि अदरक को स्किन पर इस्तेमाल करते समय किन-किन बातों का ख्याल रखा जाना चाहिए, जरूर करें पैच टेस्ट जब आप अदरक को अपनी स्किन पर इस्तेमाल कर रही हैं तो यह बेहद जरूरी है कि आप पहले पैच टेस्ट जरूर करें। यह थोड़ा तीखा हो सकता है, इसलिए अगर आप इसे सीधे अपनी स्किन पर लगाती हैं तो इससे आपको रेडनेस, खुजली या जलन की शिकायत हो सकती है।

सही तरह से करें डायलूट

अदरक का रस निकालकर अक्सर हम अपनी स्किन लगाते हैं। लेकिन कभी भी कच्चे अदरक के रस को सीधे अपने चेहरे पर न लगाएं। यह बहुत तीखा हो सकता है और आपकी त्वचा को जला या परेशान कर सकता है। इसलिए इसकी इंटेसिटी कम करने आप इसमें शहद, एलोवेरा या दही भी जरूर मिक्स करें।

इसे बहुत देर तक न लगा रहने दें

कई बार लोग सोचते हैं कि अगर अदरक को लंबे समय तक स्किन पर ऐसे ही छोड़ा जाता है तो इससे उसे फायदा होता है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। अदरक को आप महज 5-10 मिनट तक ही स्किन पर लगाए रखें। इसे बहुत देर तक लगा रहने देने से जलन या लालिमा भी हो सकती है। अगर आपको किसी तरह की जलन या असुविधा का अहसास होता है, तो इसे तुरंत धो लें।

चकोतरा खाएं सही ढंग से, दिल रहेगा दुरुस्त और नसें साफ़!

चकोतरा खाएं रोज़-रोज़, दिल रहेगा एकदम मजबूत!

खतरनाक बीमारियों में से दिल की बीमारी भी है। खराब लाइफस्टाइल और गलत खान-पान के कारण हेल्थ पर असर पड़ता है। दिल की बीमारी से हर साल लाखों लोगों की मौत हो रही है।

सेहत की बात

आजकल हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता जा रहा है। कम उम्र में लोगों को हार्ट अटैक आ रहा है। ऐसे में अपने दिल की सेहत का ध्यान रखना भी काफी जरूरी है। अपने दिल को स्वस्थ रखने के लिए आप चकोतरा फल खाना शुरु कर दें। यह दिल के साथ ही एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को भी कम करता है।

खाने में फैट की ज्यादा मात्रा, एक्सराइज की कमी, स्मोकिंग-एल्कोहॉल से इन कार्डियोवैस्कुलर डिजीज का खतरा बढ़ जाता है। जिससे हार्ट का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप हार्ट अटैक से बचना चाहते हैं, तो चकोतरा फल जरुर खाएं।

चकोतरा खाने से घटेगा कोलेस्ट्रॉल

चकोतरा फल में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है। यह फल बेहद खट्टा होता, जिस वजह से कई लोग इसका सेवन नहीं करते हैं। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की एक पुरानी रिपोर्ट के मुताबिक कि यह फल गंदा कोलेस्ट्रॉल कम करके आर्टरी को साफ करने के काम आ सकता है।

चकोतरा खाने का सही तरीका

अमेरिक हार्ट एसोसिएशन बताया है कि चकोतरा को संतरे की तरह खाना चाहिए। इसका छिलका हटाकर खाएं। एक-एक फांक जरुर खाएं इसके साथ ही फांकों के ऊपर की झिल्ली को फेंके नहीं। झिल्ली से होता है असली इलाज

चकोतरा की फांक की झिल्ली को मेंब्रेन कहा जाता है। इस फल में सबसे ज्यादा फाइबर होता है, जोकि एलडीएल नाम के गंदे कोलेस्ट्रॉल को कम करता है। बता दें कि इस डाइटरी फाइबर को पेक्टिन कहते हैं, जो हमारे गट हेल्थी बैक्टीरिया के लिए भी काफी जरुरी है।

चकोतरा को फ्रिज में न रखें

चकोतरा को हमेशा रुम टेंप्रेचर पर ही खाना चाहिए। अगर आप इसे फल को एक हफ्ते के अंदर खाने वाले हैं तो इसे फ्रिज में ना रखें। यदि आप इससे ज्यादा समय तक रखना चाहते हैं, तभी इसको फ्रिज में रखें। वरना चकोतरा को नॉर्मल तापमान पर ही सेवन करें।

डिस्क्लेमर- इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

शोहदे के सताने पर जहर खाने वाली किशोरी की हुई मौत

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। शोहदे की छेड़छाड़ से त्रस्त होकर जहर पीने वाली किशोरी ने मंगलवार को घटना के 26 वें दम तोड़ दिया। वह महीने भर तक जिंदगी और मौत से जूझती रही। बिल्हौर पुलिस मामले में आरोपी को पहले ही जेल भेजने की कार्रवाई कर चुकी है।

» 26 वें दिन हार गई जिंदगी की जंग

» कक्षा पांच की छात्रा से फोन पर बात करने के लिए बनाता था दबाव

» स्कूल आते-जाते समय रास्ते में करता था छेड़छाड़

बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के किसान की 12 वर्षीय बेटी कक्षा पांच में पढ़ती थी। माता-पिता के अलावा उसकी एक बड़ी बहन और एक छोटा भाई है। आरोप है कि गांव का ही सत्येंद्र राठौर नामक शोहदा आए दिन किशोरी से फोन पर बात करने का दबाव बनाता था। विरोध करने पर स्कूल आते-जाते सरेराह छेड़छाड़ करता था। किसी से कुछ कहने पर जान स मारने की धमकी देता था। शोहदे की हरकतों से तनाव में आई किशोरी ने 20 फरवरी की शाम घर में रखा कीटनाशक पी लिया था। अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। मंगलवार को किशोरी की सांसें थम गईं। बच्ची की मौत के बाद से

घर में कोहराम मचा है। पिता ने बताया कि बेटी की मौत के लिए सत्येंद्र राठौर ही जिम्मेदार है। उसके खिलाफ मुकदमे में कड़ी पैरवी कर वह सख्त सजा दिलाने की कोशिश करेगा।

बढ़ेगी आत्महत्या को प्रेरित करने की धारा

बिल्हौर। इस मामले में पुलिस ने छेड़छाड़, पाक्सो एक्ट समेत संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। किशोरी के बयान भी दर्ज कराए गए थे। सप्ताह भर पहले पुलिस ने आरोपी सत्येंद्र को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने बताया कि किशोरी की मौत होने से अब मुकदमे में आत्महत्या के लिए प्रेरित करने की धारा बढ़ाई जाएगी।

शैक्षिक सामग्री पाकर चहक उठे बच्चे

» मानवता एक पहचान की नि:शुल्क ट्यूशन क्लास में पीडब्ल्यूए ने भेंट की शैक्षिक सामग्री

» पनकी ट्यूशन क्लास के नव निर्मित प्रांगण में बच्चों संग हुई चर्चा तो खिल उठे चेहरे

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों को शिक्षा के लिए चलने वाली मानवता एक पहचान की निशुल्क ट्यूशन क्लासेज़ के बच्चों को पीडब्ल्यूए उत्तर प्रदेश द्वारा भेंट की गई शैक्षिक सामग्री का वितरण किया गया। नोटबुक, स्टेशनरी पा कर बच्चे खुशी से झूम उठे। लोगों के सहयोग से इस ट्यूशन क्लास का नवीन निर्माण किया गया है।

मंगलवार को पनकी स्थित निशुल्क ट्यूशन क्लासेज़ के नव निर्मित प्रांगण में बच्चो ने अध्यन शुरू किया इस दौरान पब्लिक वेलफेयर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश (पीडब्ल्यूए)की ओर से बच्चों को नि:शुल्क शैक्षिक सामग्री का वितरण किया गया। नोटबुक और स्टेशनरी पा कर बच्चे चहक उठे। विद्युत परिषद इंटर कॉलेज के प्राचार्य मुक्तेश्वर ने बच्चों को शैक्षिक गतिविधियां कराई।अविरल धानी संस्था की वीना कुमारी ने बच्चों को प्रोत्साहित किया।

सोशल एक्टिविस्ट वरिष्ठ विद्युत अभियंता राजेश चतुर्वेदी ने कहा कि अलग अलग क्षेत्रों में काम करने वाली संस्थाएं आपस में जुड़कर लोकहित में साथ आएं तो गरीब, वंचित और जरूरतमंदों के हित में बड़ा सामाजिक परिवर्तन लाया जा सकता है। पीडब्ल्यूए के महासचिव पंकज कुमार सिंह ने बताया कि लोक कल्याण की दिशा में जल्द ही पीडब्ल्यूए का निशुल्क काउंसलिंग केंद्र स्थापित किया जायेगा।

जिला आबकारी अधिकारी के कारण गिरी कानपुर जिले की रैंकिंग

जिन विभागों की लगातार 3 माह से ई रैंक आ रही है, उन विभागों को एडवर्स एंट्री दी जाए और सी रैंक लाने वाले विभागों का स्पष्टीकरण लिया जाए

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उद्योग विकास उपायुक्त उद्योग, जिला आबकारी अधिकारी तथा एआईजी स्टांप को एडवर्स एंट्री

एम जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में कर-करेत्तर व राजस्व वसूली फरवरी माह की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में डीएम ने एसडीएम को निर्देश दिए कि जिन विभागों की लगातार 3 माह से ई रैंक आ रही है, उन विभागों को एडवर्स एंट्री दी जाए और सी रैंक लाने वाले विभागों का स्पष्टीकरण लिया जाए।

जिलाधिकारी ने जिला आबकारी अधिकारी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा लगातार लापरवाही के कारण जिले की रैंकिंग में गिरावट आ रही है (फरवरी माह में 75वीं रैंक) है, जिसके कारण जिला आबकारी अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही किए जाने के लिए आबकारी आयुक्त को पत्र लिखने के निर्देश दिए।

विगत तीन माह से ई रैंक लाने वाले विभाग जिनमें अवस्थापना, उद्योग विकास उपायुक्त उद्योग, जिला आबकारी अधिकारी तथा एआईजी स्टांप को एडवर्स एंट्री दिए जाने के निर्देश। सी रैंक लाने वाले अधिकारी में सभी एसडीएम, मंडी सचिव, जिला खनन अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

गांवों में लगाए जाएं कैंप

डीएम ने बैठक में कड़े निर्देश दिए कि कल जिले में निर्विवाद उत्तराधिकार कृषि भूमि विरासत के नाम दर्ज कराने के लिए विशेष कैंप लगाए जाएं।कैंप का आयोजन सभी तहसीलों में किया जाए, जिसमें सभी एसडीएम अपने-अपने नामित तहसीलों में, सभी एडीएम, सभी तहसीलदार, नायब तहसीलदार गांव में खुली बैठक का आयोजन कर मृतकों के परिजनों के नाम दर्ज कराएंगे।

जिलाधिकारी ने लगातार ई सी तथा डी रैंक लाने वाले विभागों की प्रतिदिन समीक्षा करने के निर्देश अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व को दिए। बैठक में अपर जिला अधिकारी वित्त राजस्व, अपर जिलाधिकारी नगर, अपर जिलाधिकारी न्यायिक, समस्त उप जिलाधिकारी समस्त तहसीलदार उपस्थित रहे।

लेखपालों पर होगी कार्रवाई

डीएम ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि बीते 6 माह से जिस गांव में निर्विवाद उत्तराधिकार के एक भी मामले पेंडिंग हैं और अभी तक दर्ज नहीं कराए गए हैं। उन सभी लेखपालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिले में एक भी निर्विवाद उत्तराधिकार पेंडिंग न रहे।

नगर निगम की बड़ी कार्रवाई, केडीए का लश गार्डन सील

लश गार्डन का 21 लाख 83 हजार रुपये बकाया था, रेस्टोरेंट और पार्किंग को सील कर दिया गया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नगर आयुक्त सुधीर कुमार के निर्देश पर राजस्व बकायेदारों पर कार्रवाई जारी है। नगर निगम की राजस्व टीम ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई की। टीम ने केडीए का मोतीझील स्थित लश गार्डन को सील कर दिया। इस दौरान नगर निगम के कई अधिकारी मौजूद रहे। नगर निगम की टीम ने बुधवार तड़के कार्रवाई की। लश गार्डन का 21 लाख 83 हजार रुपये बकाया था। रेस्टोरेंट और पार्किंग को सील कर दिया गया। लश गार्डन और पार्किंग टेंडर के माध्यम से निजी फर्म संचालित करती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

पति पत्नी विवाद के कारणों दर्शाती है धुंधकारी की कथा

» गौ भक्त राष्ट्रीय कथा व्यास रघुवर जी महाराज के मुखारबिंद से कथा का रसपान

» गौ भक्त राष्ट्रीय कथा व्यास श्री रघुवर दास जी महाराज जो वृंदावन धाम से शिक्षा ग्रहण कर अपनी मधुर वाणी से सुनाते हैं श्रीमद् भागवत कथा

संवाददाता,स्वराज इंडिया

माती। मैथा ब्लाक के ग्राम पंचायत सरसी में गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी श्री ब्रह्मदेव बाबा सप्तम दिवस की विशाल श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। समस्त ग्राम वासियों के सहयोग से श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिन पर कलश यात्रा निकाली गई।

भव्य कथा प्रवक्ता श्री रघुवर जी महाराज वृंदावन के द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का रसपान भक्तों को कराया जाएगा। प्रथम दिवस पर प्रसंग सुनाया,तुंगभंगा नदी के किनारे के एक गांव था। वहां पर आत्म देव नाम का एक ब्राह्मण और उसकी पत्नी धुंधकारी रहती थी आत्म देव तो सज्जन था। लेकिन उसकी पत्नी दुष्ट प्रवृति की थी। आत्म देव बहुत उदास रहता था क्योंकि उसको कोई संतान नहीं हो रहा था। बहुत बार उसने आत्महत्या करने की भी कोशिश किया लेकिन सफल नहीं हो पाया, लेकिन एक दिन हताश होकर जंगल की तरफ आत्महत्या करने निकल गए आत्म देव, रास्ते में उन्हें में एक ऋषि जी मिले और फिर आत्म देव ऋषि को अपनी कहानी सुना कर रोने लगा और उपाय पूछने लगा ऋषि ने कहा मेरे पास अभी तो ऐसा कुछ नहीं की जिससे मैं तुम्हें कुछ दे पाऊं, लेकिन आत्म देव ने बताया की उसकी गाय को कोई बच्चा नहीं हो रहा है। और जब आत्म देव ऋषि को बार बार बोलने लगा तो ऋषि ने उसे एक फल दिया और उसको अपनी पत्नी को खिलाने को कहा और कहा की एक साल तक तुम्हारी पत्नी को सात्विक जीवन जीना पड़ेगा। आत्मदेव वह फल लेकर खुशी खुशी घर वापस आकर सारी बात धुंधकारी को बताता है और उसको वो फल खाने को देता है लेकिन वह सोचती है। अगर बच्चा हुआ तो उसको बहुत कष्ट का सामना करना पड़ेगा,यही सोच कर वह उस फल को नहीं खायी, और जाकर सारी बात अपने छोटी बहन को बताई तो उसकी बहन ने उसे एक रास्ता बताया और कहा की मैं गर्भवती हू और मुझे बालक होने वाला है।

तू ही लेना उसको और उस फल को गाय को खिला दे इससे उस ऋषि की शक्ति का भी पता चल जायेगा। धुंधकारी ने ऐसा ही किया और अपने पति आत्म देव के सामने गर्भावस्था का नाटक करने लगी और कुछ दिन बाद जाकर अपने बहन से बच्चा लेकर आ गयी। आत्म देव बहुत खुश हुआ खुशियां मनाई और उस बच्चे का नाम ब्रह्मदेव रखना चाहा लेकिन धुंधली ने फिर झगड़ कर उसका नाम धुंधकारी रखा और जो फल गाय को खिलाये थे। उसके भी गर्भ से मनुष्य का बालक हुआ जिसके कान लम्बे लम्बे थे इसीलिए उसका नाम आत्म देव ने गोकर्ण रखा। दोनों बड़े हो गए जिसमें धुंधकारी दुष्ट व चाण्डाल प्रवृति का था। तो गोकर्ण सरल स्वभाव का था। धुंधकारी सारी गलत काम करती एक दिन तो उसने अपने पिता आत्म देव की ही पिटाइ कर दी। आत्म देव बहुत दुखी हुआ और अपने दुखी पिता को देख गोकर्ण उनके पास आया और उनको वैराग्य जीवन जीने के लिए कहा। और कहा की संसार में हम बस भागवत दृष्टि रखकर ही सुखी हो सकते है। गोकर्ण की बात मानकर आत्म देव गंगा के किनारे आकर भागवत के दशम स्कंध का पाठ करने लगे थे और उसी जीवन में उन्हें भगवान श्री कृष्ण की प्राप्ति हो गयी थी।

हैदरपुर विद्यालय में शिक्षक संकुल बैठक का हुआ आयोजन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। महानिदेशक स्कूल शिक्षा के आदेश के अनुक्रम में प्रत्येक माह शंकुल शिक्षक बैठक के क्रम में आज दिनाँक 18 मार्च को न्याय पंचायत गुरुगाँव की संकुल शिक्षक बैठक का आयोजन संविलियन विद्यालय हैदरपुर में आयोजित की गई ।मलासा विकास खण्ड के संविलियन विद्यालय हैदरपुर में मंगलवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसारमासिक शिक्षक संकुल बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में एजेंडा के अनुसार विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों पर चर्चा की गई । सर्वप्रथम बैठक में उपस्थिति सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित और पुपांजलि अर्पित कर बैठक का शुभारंभ किया गया । विद्यालय की छात्राओं द्वारा मां सरस्वती की भाव भरी बंदना प्रस्तुति की गई । संविलियन विद्यालय हैदरपुर की शिक्षिका सुमन सिंहने टीएलएम के माध्यम से बच्चों को आसानी से कैसे शिक्षा दी जा सकती है इस पर विस्तृत चर्चा की ।निवेदिता श्रीवास्तव ने स्कूल रेडिनेश के बारे में प्रस्तुतिकरण के माध्यम से जानकारी साझा कर नवाचार के माध्यम से शैक्षिक प्रगति को आगे बढ़ाने में विस्तार से चर्चा की । शिक्षक संकुल धर्मेन्द्र यादव ने गत सत्र पर मूल्यांकन पर विचार व्यक्त किए और बताया कि आगामी शैक्षिक सत्र की कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाय तो शैक्षिक व्यवस्था को सुदृण किया जा सकता है । शिक्षक संकुल धर्मेन्द्र सैनी ने नवीन सत्र में नामांकन बढ़ाने के लिए कई टिप्स देकर सभी का ध्यान आकृष्ट किया। प्रशंसा सत्र के अंतर्गत रंजना सचान प्र अ प्राथमिक विद्यालय अंडवांऔर रिचा सचान प्र अ संविलियन विद्यालय हैदरपुर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । बैठक का कुशल संचालन महेंद्र पाल ने किया । बैठक की अध्यक्षता नोडल संकुल शिक्षक रजनीश सक्सेना ने की। इस मौके पर शिक्षक संकुल शैलेन्द्र कटियार, वर्षा गुप्ता, गीता यादव, अमर सिंह, सुरेश कुमार, महिमा दोहरे, पूनम गौतम, सीलम सचान, रंजना सचान, सुहानी सचान,अमिता सचान, गीतांजली पाल, सुमन सिंह, आदर्श सचान, मोनिका सचान, एकता सचान, प्रतिभा,दिशा सचान आदि लोग उपस्थित थे।

एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने मूसानगर थाने का किया निरीक्षण

» थाना मूसानगर क्षेत्र में पैदल गस्त कर आम जन-मानस को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया।

»हर फरियादी की समस्या का समाधान करे एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने मूसानगर थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान थाना कार्यालय,सीसीटीएनएस कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, संपत्ति, शस्त्र, हवालात, थाना परिसर, भवन, भोजनालय आदि का निरीक्षण किया गया। थाना कार्यालय में अभिलेखों तथा माल मुकदमाती के रखरखाव की स्थिति देखी। वही पुलिस अधीक्षक मूर्ति द्वारा थाने पर आने वाले फरियादियों/पीड़ितों की समस्याओं के विधिक, नियमानुसार तथा समयबद्ध तरीके से निस्तारण करने हेतु सर्व-सम्बन्धित को आदेशित/निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना कार्यालय में नियुक्त कर्मियों से वार्ता भी की गयी एवं उनके कार्य से सम्बन्धित दिशा-निर्देश दिये गये।

पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना मूसानगर पर मीटिंग कर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु संभ्रांत व्यक्तियों/स्थानीय व्यापारियों से मिलकर वार्ता की गयी व सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली गयी। एसपी द्वारा लोगों को जानकारी दी गयी कि शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें एवं किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। किसी भी प्रकार की समस्या आने पर अविलंब सम्बन्धित अधिकारी के मोबाइल नंबर पर या थाना/चौकी को तत्काल अवगत करायें। चौकीदारों द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें सप्रेम सॉल भेंट की गयी। तत्पश्चात् पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना मूसानगर क्षेत्र में पैदल गस्त कर आम जनमानस को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी भोगनीपुर संजय सिंह व प्रभारी निरीक्षक मूसानगर शिव नारायण सिंह ,सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी गण मौजूद रहे।

मारपीट में घायल की मौत, परिजनों ने नहर पुल पर लगाया जाम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। होली पर्व पर हुए विवाद में एक पक्ष के कुछ लोगों ने दूसरे पक्ष से मारपीट कर दी थी। इसमें दूसरे पक्ष के तीन युवक व एक महिला घायल हो गई। इलाज के दौरान घायल युवक की कानपुर में सोमवार को मौत हो गई।पोस्टमार्टम के बाद शव पहुंचने पर परिजन आक्रोशित हो गए और शव को कंचौसी नहर पुल पर रखकर जाम लगा हंगामा शुरू कर दिया। एएसपी ने समझा बुझाकर लोगों को शांत कराकर जाम खुलवाया।

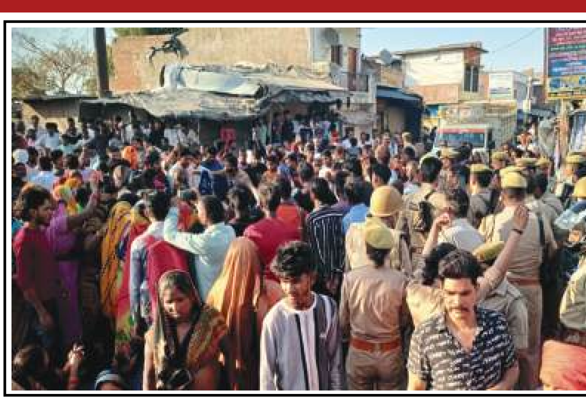

मंगलपुर थाना क्षेत्र के कंचौसी के बलरामपुर गांव में होली पर्व पर पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। आरोप है कि एक पक्ष के आकाश, राहुल, नितेश, सत्यम, सुनील, सतेंद्र, रामशंकर सहित 5-6 अज्ञात लोगों ने एक राय होकर दूसरे पक्ष पर लोहे की सरिया, डंडे व सब्बल से हमला कर दिया ।इसमें दूसरे पक्ष के सगे भाई नरेंद्र, बलराम, जीतू व उनकी मां आशा देवी घायल हो गई थी। पुलिस ने चारो घायलों को सीएचसी झींझक भेजा था। जहां चिकित्सक ने तीन घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया था। बलराम (25) की हालत चिंताजनक देख उसे कानपुर भेजा गया। सोमवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।सूचना मिलते ही परिजन आक्रोशित हो उठे और मंगलवार को शव गांव पहुंचने के बाद कंचौसी नहर पुल पर रखकर जाम लगा हंगामा करने लगे। परिजनों का आरोप था कि कंचौसी चौकी इंचार्ज ने विपक्षियों से सांठगांठ कर ली है और कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। जानकारी पर एएसपी राजेश पांडेय समेत थाना बरौर, राजपुर, रसूलाबाद, देवराहट, अमराहट, डेरापुर आदि जगहों से फोर्स मौके पर पहुंचा ।एएसपी ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन देकर आक्रोशित लोगों को समझाकर शांत कराया। तब कहीं डेढ़ घंटे बाद जाम खुल सका और आवागमन बहाल हुआ।

देश का नाम रौशन कर रहे लखनऊ के प्रोफ़ेसर विवेक कुमार

» जेएनयू में नंबर 1, भारत में 11 और एशिया में 134 वीं रैंक हांसिल किया

» एडी साइंटिफिक इंडेक्स की वैश्विक सूची में शामिल प्रोफ़ेसर विवेक कुमार ने विश्वपटल पर कायम की मिसाल, देश, विदेश के छात्रों ने ज़ाहिर की खुशी, दी बधाई

» प्रोफ़ेसर विवेक कुमार ने कोलंबिया विश्वविद्यालय अमेरिका सहित , जर्मनी, कनाडा, श्रीलंका, ब्रिटिश विश्वविद्यालय में सैकड़ों स्टूडेंट्स को पढ़ाया है सामाजिक विज्ञान का पाठ

AD Scientific Index — Rankings for Scientist — More Than a Ranking
World Scientist and Universi[ty Rankings] 2025
Jawaharlal Nehı[ru University]
AD Scientific Index ID: 430369 — Vivel[k]

	Scores	In Jawaharlal Nehru University (693)	In India (157,500)	In Asia (790,674)
H-Index (Total)	18	#139	#18,613	#131,831
H-Index (Last 6 years)	12	#149	#22,724	#143,945
H-Index Last 6 years / Total Ratio	0.667			
i10 Index (Total)	24	#141	#20,123	#124,350
i10 Index (Last 6 years)	14	#146	#22,017	#138,871
i10 Index Last 6 years / Total Ratio	0.583			
Citation (Total)	820	#175	#24,640	#153,318
Citation (Last 6 years)	414	#192	#28,004	#173,969
Citation Last 6 years / Total Ratio	0.505			
Social Sciences *		#5 (87) *	#166 (4,228) *	#2,722 (34,390) *

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ/नई दिल्ली। जेएनयू के प्रोफ़ेसर डॉक्टर विवेक कुमार ने एडी इंडेक्स रैंकिंग में बड़ी उपलब्धि हासिल की है।अपने शोधपरक अध्यन और उत्कृष्ट अध्यापन के बलबूते जेएनयू में नंबर 1 की रैंक हांसिल की है, इसी के साथ भारत में शामिल 247 विज्ञानियों में 11 वीं रैंक मिली है। वहीं एशिया में 1,792 समाज विज्ञानियों के बीच उन्हें 134 वीं रैंक प्राप्त हुई है। इसी कड़ी में दुनिया में समाज विज्ञानियों के बीच 3,081 वीं रैंक प्राप्त हुई है। प्रोफ़ेसर विवेक कुमार ने दुनिया में भारत की योग्यता को साबित कर गौरव हासिल किया है।

देश के शीर्ष जवाहर लाला नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली (जेएनयू) के विश्वविख्यात समाज शास्त्री व वैज्ञानिक प्रोफ़ेसर विवेक कुमार को वैश्विक स्तर की एडी साइंटिफिक इंडेक्स-2025 की रैंकिंग में शामिल किया गया है। रैंकिंग के लिए पिछले 6 वर्षों के गूगल स्कॉलर के समाज शास्त्र विज्ञानियों की तकनीकी डाटा के आधार पर यह रैंक तय की गई है। जिसमे प्रोफ़ेसर विवेक कुमार को रिकॉर्ड 820 साइटेशन प्राप्त हुए है। वैश्विक स्तर पर मिली रैंकिंग के लिए देश विदेश से उन्हें बधाई मिल रही है। प्रोफ़ेसर डॉक्टर विवेक कुमार ने जेएनयू से ही समाज शास्त्र की पढ़ाई की है और यहीं पर बतौर सहायक प्रोफ़ेसर पद से अध्यापन कार्य शुरूकर यहीं समाज शास्त्र विभाग के अध्यक्ष पद पर तैनात हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय की ख्याति को अपने शोधपरक ज्ञान से लगातार दृढ़ता से मजबूती दी है। प्रोफ़ेसर विवेक कुमार के मार्गदर्शन में 106 विद्यार्थियों ने शोध अध्यन किया है वहीं 58 ने शोध में डॉक्टरेटकी उपाधि प्राप्त की है। बीएचयू के डॉ रवींद्र प्रकाश भारती कहते हैं यह पूरे देश के लिए सम्मान की बात है। जेएनयू विवादों में जकड़े होने के बावजूद शिक्षा के क्षेत्र में लगातार कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, यह यहाँ के छात्रों और शिक्षकों की योग्यता की मिसाल है। प्रोफ़ेसर विवेक कुमार कहते हैं कि मुझे साझा करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। मैं अपने छात्रों, सहकर्मियों, और समाज को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूँ। मैं अपने शोधकर्ताओं जिन्होंने ने मुझे अपने कार्यों में उद्धृत किया उनका भी आभारी हूँ।

क्या है एडी साइंटिफिक इंडेक्स रैंकिंग

एडी साइंटिफिक इंडेक्स एक स्वतंत्र और अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग प्रणाली है जो वैज्ञानिकों और संस्थानों के शैक्षणिक प्रदर्शन का मूल्यांकन करती है, जिसमें एच-इंडेक्स, आई टेन इंडेक्स और उद्धरणों की गणना शामिल है।शैक्षणिक दुनिया में, अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय रैंकिंग प्रणालियाँ संस्थानों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में काम करती हैं। ये प्रणालियाँ शोध उत्पादकता, प्रभाव, उत्कृष्टता, शिक्षण गुणवत्ता, फैकल्टी की योग्यता और समग्र संस्थागत प्रदर्शन जैसे कई मानदंडों पर ध्यान केंद्रित करती हैं। एडी साइंटिफिक इंडेक्स सामाजिक विज्ञान और मानविकी के क्षेत्रों में भी रैंकिंग प्रदान करता है, एडी साइंटिफिक इंडेक्स के 2025 उत्पादकता रैंकिंग में दुनिया के सबसे प्रभावशाली वैज्ञानिकों की सूची है।

यूपी लखनऊ से हैं जेएनयू प्रोफ़ेसर विवेक कुमार

मूल रूप से उत्तर प्रदेश के लालबाग लखनऊ निवासी प्रोफ़ेसर डॉक्टर विवेक कुमार दिल्ली की जेनयू में समाज शास्त्र विभाग के अध्यक्ष हैं। वर्ष 2001 में उन्होंने जेएनयू ज्वाइन किया था। इससे पहले वर्ष 1996 में टाटा इंस्टीट्यूट और सोशल साइंसेज़ में बतौर सहक प्रोफ़ेसर अध्यापन सेवन दीं थीं। प्रोफ़ेसर विवेक कुमार अमेरिका की शीर्ष यूनिवर्सिटी कोलंबिया विश्वविद्यालय के विज़िटिंग प्रोफ़ेसर हैं। इसी के साथ कैलगिरी विश्वविद्यालय कनाडा, टोरंटो विश्व विद्यालय, इम्बोल्ट विश्वविद्यालय जर्मनी, ब्रिटिश विश्वविद्यालय सहित श्रीलंका के विश्व विद्यालय में बतौर विज़िटिंग प्रोफ़ेसर सैकड़ों छात्रों को अपने ज्ञान से लाभान्वित किया है।

सांसद राकेश राठौर को रेप केस में मिली जमानत

48 दिनों बाद जेल से छूटने के बाद हुई घर वापसी

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में बुधवार की सुबह सांसद राकेश राठौर के लिए राहत भरी खबर लेकर आई। यौन शोषण के आरोप में घिरे कांग्रेस से लोकसभा सांसद की जेल से रिहाई हो गई। एक महिला संग दुष्कर्म के आरोप में बीते 30 जनवरी को सांसद जेल भेजे गए थे। उन्हें पहले उच्च न्यायालय फिर निचली अदालत से राहत मिली। उन्हें जमानत मिलने से सांसद खेमे में खुशी की लहर है।

सांसद राठौर के जेल से बाहर आते ही कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने स्वागत किया। जिला कारागार के बाहर सुबह से ही जमावड़ा लगा हुआ था। राकेश 30 जनवरी से जिला कारागार में बंद थे। हाईकोर्ट ने 11 मार्च को उनकी जमानत याचिका मंजूर हुई लेकिन उस दिन पुलिस ने धारा 69 बढ़ा दी थी। सीजेएम कोर्ट में 12 मार्च को जमानत याचिका दाखिल की गई थी। मंगलवार को इस याचिका पर बहस हुई और जमानत मंजूर कर दी गई।

गौरतलब है कि बीते 17 जनवरी को सांसद राकेश राठौर के खिलाफ सीतापुर शहर कोतवाली की एक पीड़िता ने यौन शोषण का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। एसपी को शिकायती पत्र में महिला ने सांसद पर राजनीतिक करियर बनाने का झांसा देकर शारीरिक शोषण का आरोप लगाया। सांसद की पत्नी ने सभी आरोप को निराधार करार दिया।

आरोप लगने के बाद से सांसद अंडरग्राउंड हो गए और 12 दिनों के बाद पुलिस ने उन्हें उस समय गिरफ्तार किया, जब 29 जनवरी की तारीख में वह प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। पुलिस ने उनको गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई करते हुए जिला जेल भेज दिया था। इसके बाद उनकी आवाज वॉयस सैंपलिंग के लिए भी लखनऊ में जांच हुई थी।

जनहित के कार्यों में लापरवाही स्वीकार नहीं: मुख्यमंत्री योगी

सीएम योगी ने कमांड सेंटर का किया निरीक्षण

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनहित के कार्यों में लापरवाही को अस्वीकार बताया है। उन्होंने कहा है कि अच्छे लोगों की कहीं कोई कमी नहीं है, इन्हें प्रोत्साहन मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आज बुधवार को लाल बहादुर शास्त्री भवन स्थित सीएम कमांड सेंटर का निरीक्षण किया और प्रदेश भर में विभिन्न विभागों और परियोजनाओं के परफॉर्मेंस की भी जानकारी ली।

सीएम ने विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि सिर्फ तीन कैटेगरी ए, बी और सी के तहत विभागों और योजनाओं की मॉनीटरिंग की जानी चाहिए। इसके तहत जनपद स्तर पर प्रतिदिन, अल्टरनेट दिनों में, साप्ताहिक और पाक्षिक समीक्षा की जानी चाहिए। इसके लिए जनपद स्तर पर अधिकारी की तैनाती की जाए, जो देखे कि रिपोर्ट में जो डेटा दिया जा रहा है वो कितना सही है। इसके बाद महीने में एक बार मंत्री स्तर पर समीक्षा की जाए और सभी रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रस्तुत की जाएं।

उन्होंने कड़े शब्दों में निर्देश दिए कि यदि सरकार जो स्कीम या अभियान चलाती है और अगर वह 100 प्रतिशत सैचुरेटेड नहीं होता तो उसका उद्देश्य अपूर्ण है। नियमित रूप से उनकी चेकिंग होनी चाहिए। हर विभाग अपने स्तर पर हर दिन मॉनीटरिंग करें। उन्होंने कहा कि स्कीम बनाते समय अधिकारी यह जरूर ध्यान दें कि इसका लाभ अधिकतम लोगों तक पहुंच सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल छोटे टार्गेट देकर खानापूर्ति नहीं करना चाहिए, बल्कि इसे क्षमता आधारित बनाना चाहिए। आईजीआरएस की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आईजीआरएस के संदर्भ के विषय में संतुष्टिकरण का प्रतिशत बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि रेवेन्यू, पुलिस, हेल्थ, जिला प्रशासन, नगर निगम, पंचायती राज व अन्य संबंधित विभाग शिकायतों से जुड़े पक्ष को जवाबदेह बनाएं।

एटीएस ने ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के कर्मी को किया गिरफ्तार

आईएसआई को गोपनीय बातें लीक कर रहा था आर्म्स फैक्ट्री का जूनियर मैनेजर विकास

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया।

कानपुर। यूपी एटीएस को एक और बड़ी सफलता मिली है। एटीएस ने कानपुर की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में काम कर रहे कर्मी को उठाया है। वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम कर रहा था। उस पर आईएसआई को गोपनीय बातों को लीक करने का भी आरोप लगाया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी से एटीएस पूछताछ करने में लगी है। एटीएस ने बयान में कहा कि आरोपी की पहचान कुमार विकास के रूप में की गई है और वह ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कानपुर में जूनियर वर्क्स मैनेजर के रूप में कार्यरत था। विकास कुमार एक संदिग्ध पाकिस्तानी एजेंट के संपर्क में था, जिसने नेहा शर्मा नाम का इस्तेमाल किया था।

एटीएस ने बताया कुमार विकास फेसबुक के माध्यम से संदिग्ध पाकिस्तानी एजेंट के सम्पर्क में आया। जांच में पता चला कि विकास ऑर्डिनेंस फैक्ट्री से जुड़े दस्तावेज, कर्मचारी उपस्थिति पत्रक, मशीन लेआउट और उत्पादन चार्ट से संबंधित गोपनीय दस्तावेज और संवेदनशील डेटा व्हाट्सऐप के माध्यम से भेज रहा था। इससे पहले, 13 मार्च को, एटीएस ने इसी तरह के अपराध के लिए हजरतपुर, फिरोजाबाद से आयुध निर्माणी के एक और कर्मचारी रवींद्र कुमार को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के बाद एटीएस अधिकारियों को कुमार विकास का पता चला था, जो जनवरी 2025 से संदिग्ध पाकिस्तानी एजेंट के संपर्क में था।

अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तानी एजेंट ने खुद को भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) कर्मचारी के रूप में पेश किया था और शुरुआत में फेसबुक के जरिए कुमार विकास से संपर्क किया था। पूछताछ में यह भी पता चला है कि फेसबुक

» जनवरी 2025 में पाकिस्तानी एजेंट के संपर्क में आया था।

पर बातचीत के दौरान दोनों ने मोबाइल नंबरों का आदान-प्रदान किया और व्हाट्सऐप पर अपना संचार जारी रखा। पकड़े जाने से बचने के लिए उन्होंने गुप्त बातचीत के लिए लूडो गेमिंग ऐप का इस्तेमाल किया। आरोपी कुमार विकास ने एटीएस को बताया कि उसे कथित तौर पर गोपनीय जानकारी देने के लिए वित्तीय प्रलोभन दिया गया था। कुमार विकास को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

वार्ता के लिए लूडो एप का किया जाता था इस्तेमाल

उक्त कथित पाकिस्तानी एजेंट नेहा शर्मा (फरेबी नाम) द्वारा खुद को भारत हैवी इलेक्ट्रानिक लिमिटेड में कार्य करना बताकर व्हाट्सएप मैसेंजर पर बातचीत कर मोबाइल नंबर साझा किए गए। अभियुक्त कुमार विकास द्वारा पाकिस्तानी कथित एजेंट नेहा शर्मा से गोपनीय रूप से वार्ता करने के लिए लूडो एप का इस्तेमाल किया जाता था।

ये क्या बोल गए मंत्री संजय निषाद...?

सात दरोगा के हाथ-पैर तुड़वाकर, उसे गड्ढे में फेंकवा कर यहां पहुंचा हूं

» निषाद ने कहा कि परेशान करने वाले दरोगा को जेल भिजवा दूंगा

» होली के मौके पर निषाद और दलित में हुआ था झगड़ा।

» सुल्तानपुर, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद आजकल अपने बेबाक बयानों की वजह से चर्चा में बने हुए हैं। सुल्तानपुर की एक जनसभा में संजय निषाद ने कहा- हम यहां ऐसे नहीं पहुंचे हैं। सात दरोगा के हाथ-पैर तुड़वाकर उसे गड्ढे में फेंकवा कर तब मैं यहां पहुंचा हूं। निषाद के बयान से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में नजर आ रहा है कि कैसे निषाद की बातों को सुनकर जनसभा में मौजूद लोग तालियां पीट रहे हैं।

दरअसल, 14 मार्च को होली के मौके पर सुल्तानपुर के शाहपुर गांव में रंग खेलने को लेकर दलित और निषाद परिवार में विवाद हो गया था। मारपीट में 65 साल की दलित महिला सुनरा देवी की मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर शाहपुर गांव के प्रधान कृष्णा कुमार निषाद समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। ग्राम प्रधान समेत 4 लोगों को पुलिस ने जेल भेज दिया।

जो निषाद भाई को फर्जी मामले में फंसाएगा उसे

कैबिनेट मंत्री संजय निषाद को जब इस बारे में पता चला तो उन्होंने मंच से सीओ को निर्देश दिया कि जो लोग इस मामले में फर्जी फंसाए गए हैं उनका नाम निकलवा दें। उन्?होंने इस बारे में डीएम और एसपी से बात की है। अब वह मुख्यमंत्री से भी बात करेंगे। किसी भी निषाद भाई को पुलिस फर्जी परेशान नहीं करेगी। अगर कोई दरोगा किसी निषाद भाई को फर्जी मामले में फंसाने की कोशिश करेगा तो उसे जेल भिजवा दूंगा।

संजय निषाद मंगलवार को सुल्तानपुर में निषाद पार्टी की जनाधिकार यात्रा लेकर पहुंचे थे। उन्होंने यहां चांदा इलाके मदारडीह गांव में जनसभा को संबोधित किया।